

शिक्षण-निर्देश :

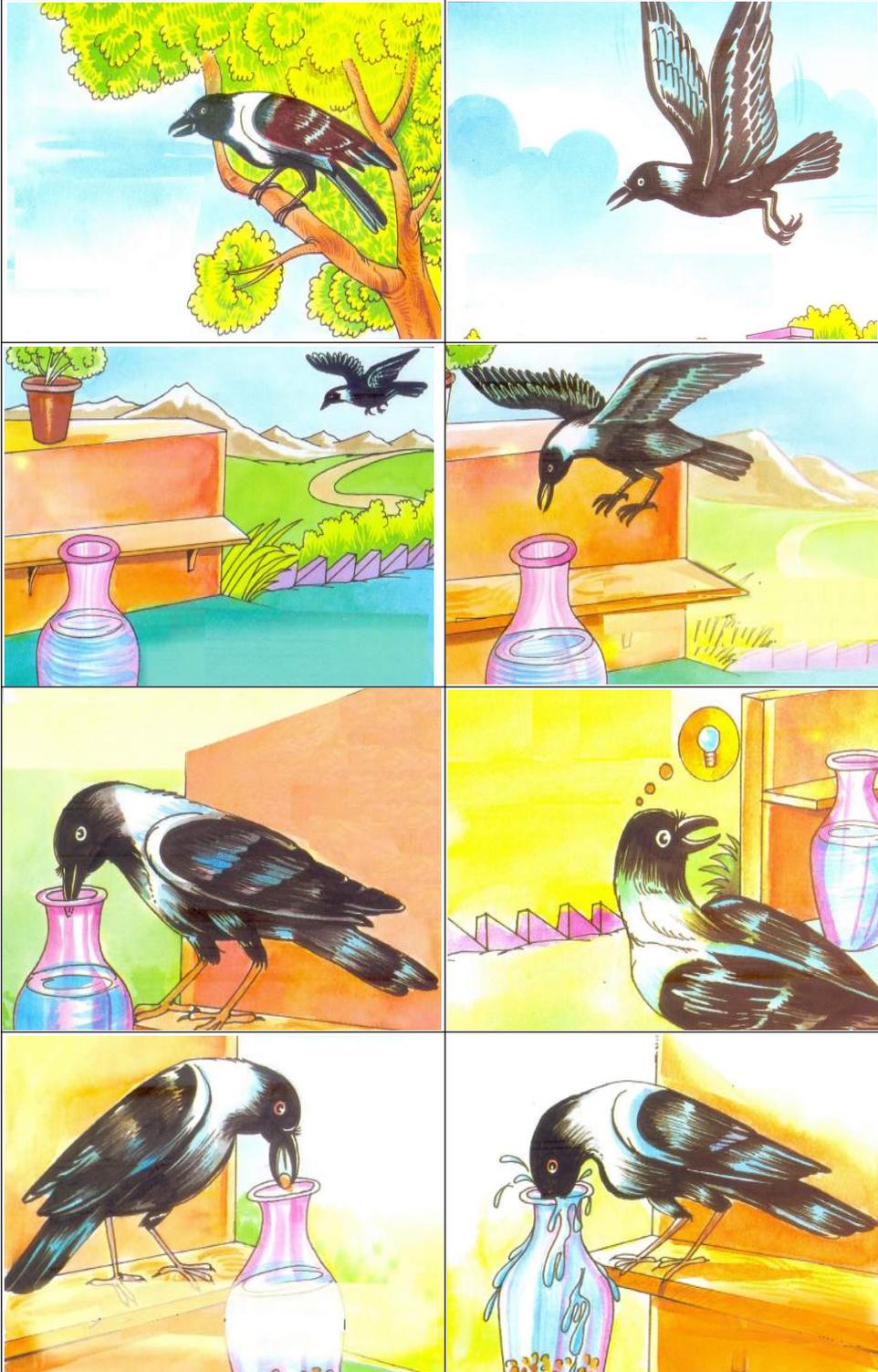
चित्रकथा के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें एवं चित्र के आधार पर 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाने को कहें।



शिक्षण-निर्देश :

चित्रकथा के शीर्षक पर बातचीत करते हुए विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाएँ तथा कौआ के रंग-रूप, भोजन, आवाज तथा आवास पर बच्चों से बातचीत करें।

चित्रों को ध्यान से देखिए और उनके नाम लिखिए—

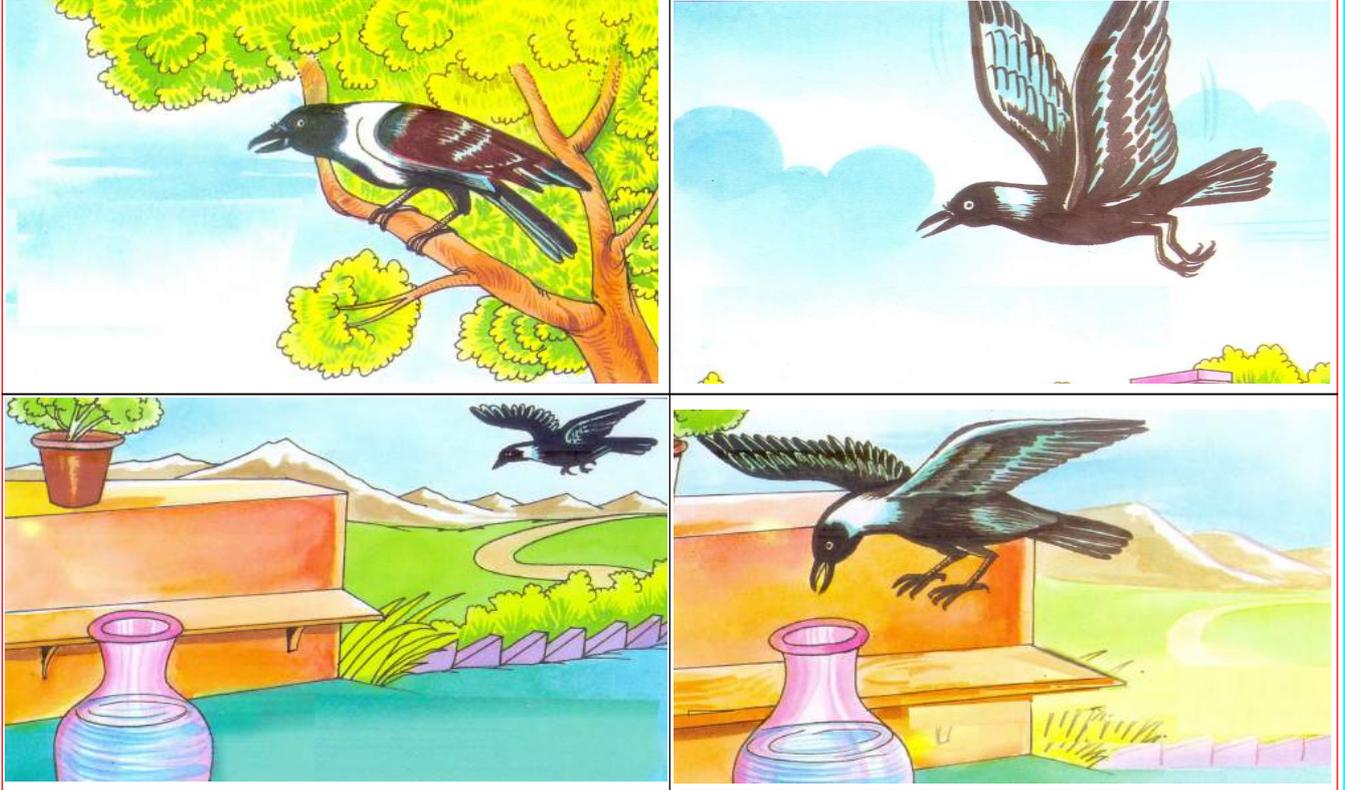


कौआ

शिक्षण-निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' चित्रकथा के पहले, दूसरे, तीसरे तथा चौथे चित्र को दिखाकर अबतक की कहानी सुनाएँ।

चित्रों को देखिए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए—



(क) कौआ किसकी तलाश में उड़ रहा है?

(ख) कौए ने उड़ते-उड़ते क्या देखा?

(ग) कौए की चोंच पानी तक पहुँच पाई या नहीं ?

शिक्षण-निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' चित्रकथा के पाँचवें, छठे, सातवें और आठवें चित्र को दिखाकर अबतक की कहानी सुनाएँ।

चित्रों को देखिए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए—



(क) कौए ने पानी को ऊपर लाने के लिए क्या किया?

(ख) कंकड़ डालने पर क्या हुआ ?

(ग) कौए की जगह आप होते तो क्या करते?

शिक्षण-निर्देश :

विद्यार्थियों को बारी-बारी से बोर्ड के पास बुलाकर 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाने को कहें।

सही शब्दों से कहानी पूरा कीजिए-

पानी

प्यासा

कंकड़

पानी

कौआ

कई

उड़

पानी

घड़ा

कंकड़

एक कौआ था। वह बहुत था।

उसे एक दिखाई दिया।

उसमें थोड़ा-सा था।

आस-पास बिखरे थे।

उसने उठाकर घड़े में डाले।

एक बार नहीं, बार डाले।

अब ऊपर आ गया।

वह पीकर गया।



शिक्षण-निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ तथा घड़े के रंग, उपयोग तथा उसे बनाने की सामग्रियों पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) घड़ा बनाने में किन-किन सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है?

(ख) घड़ा कौन बनाता है?

(ग) मिट्टी से बनी किन्हीं तीन वस्तुओं के नाम लिखिए—

कौआ का चित्र बनाइए—